सीआइएमपी, बीआइआइएफ व करेकेबा वेंचर्स के बीच पलायन रोकने के लिए हुआ एमओयू

संवाददाता ▷ पटना

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में गुरुवार को एमओयू सीआइएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन और करेकेबा वेंचर्स के बीच सेकेंड स्टेज एंजेल इन्वेस्टमेंट और दूसरी साझा सेवाओं को लेकर एमओयू साइन हुआ. इस मौके पर खास अतिथि और एमओयू पार्टनर के रूप में करेकेबा वेंचर्स के को-फाउंडर दिव्यांशु वर्मा उपस्थित रहे. उनका मंच पर स्वागत सीआइएमएपी के डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ राणा सिंह और सीआइएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन के सीइओ कुमोद कुमार ने किया. इस अवसर पर प्रो राणा सिंह ने नये उद्यमियों का राज्य से पलायन रोकने और उद्यमिता की रफ्तार को राज्य में बढ़ाने को लेकर करेकेबा के योगदान की प्रशंसा की. वहीं दिव्यांशु ने इस अवसर पर अपने उद्यमिता के सफर का जिक्र करते हुए कहा कि वह भले ही शहर से बाहर रहने के लिए चले गये पर बिहार की यादें हमेशा उनके अंदर बसी रहीं. उन्होंने यह भी बताया कि कोविड आपदा के दौरान उन्होंने करेकेबा वेंचर्स की शुरुआत की ताकि भविष्य में बिहार से होने वाले पलायन को रोका जा सके. उन्होंने एक नये शब्द 'बिहारीकॉर्न' का प्रयोग किया जिसका मतलब उन्होंने बिहार की भावी यूनिकॉर्न कंपनियां बताया. उन्होंने इस पूरी प्रयास में सीआइएमपी बीआइआइएफ के योगदान को महत्वपूर्ण बताया ताकि बिहार में कल्चर ऑफ इनोवेशन की शुरुआत हो. इनक्यूबेशन सेंटर के सीइओ कुमुद कुमार ने ज्यादा जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह इनक्यूबेशन सेंटर आने वाले समय में एक्सीलरेटर बनने जा रहा है. करेकेबा के साथ यह साझेदारी करके वह अपनी सेवाओं को राज्य की सीमाओं से बढ़ा कर देश भर के स्टार्टअप तक पहुंचाना चाहते हैं. कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर राजीव वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

Prabhat Khabar ! Page.NO-04! Dated:11-03-2022

MoU Signed between CIMP-BIIF and Karekeba Ventures

PATNA: Today a Memorandum of Understanding (MoU) was signed between CIMP-BIIF Incubation Centre and 'Karekeba Ventures' at the auditorium of Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP), to collaborate as partners for second stage angel investment funding for startups and other allied services.

On this occasion, DivyanshuVerma, co-founder of KarekebaVentures and MoU partner, was present as special guest and shared the dais with CIMP's Director Prof. Dr Rana Singh and CIMP-BIIF CEO, Kumod Kumar.

Dr Rana while addressing the event praised Divyanshu for taking the flag of the state

high and for his efforts as an accelerator company to put a check on the brain drain and migration of entrepreneurs from the state.

Divyanshu talked about his entrepreneurial journey and said that "though he moved out of state, the state never moved out of him". Therefore he started this venture 'Karekeba' during the Covid crisis to boost the entrepreneurial ecosystem in Bihar and to curb themigration of entrepreneurs. He even coined a new term "Biharicorns' for the unicorn companies that would emerge from Bihar in future. He stressed the fact that "The biggest myth is that there is dearth of money in the state. The problem is shortage of ideas, innovation and execution". He emphasized that Bihar has been the intellectual capital and the need is to capitalize on it and create a culture of innovation.

Emphasizing on the importance of this MoU, CEO Kumod Kumar told that CIMP Business Incubation Foundationhas already been a forerunner in the field and with this collaboration with Karekeba Ventures, it will be able to extend its services to the startups across India.

Morning India ! PAge No -02 !
Date- 11-03-2022

सीआईएमपी बीआईआईएफ और करेकेबा वेंचर्स के बीच साइन हुआ एमओयू

पटना | सीआईएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन और करेकेबा वेंचर्स के बीच सेकेंड स्टेज एंजेल इन्वेस्टमेंट और दूसरी साझा सेवाओं को लेकर गुरुवार को एमओयू साइन किया गया। मुख्य अतिथि और एमओयू पार्टनर करेकेबा बेंचर्स के को-फाउंडर दिव्यांशु वर्मा थे। मौके पर सीआईएमपी के डायरेक्टर राणा सिंह ने दिव्यांशु वर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी वजह से राज्य की शान बढ़ी है। नए उद्यमियों का राज्य से पलायन रोकने और उद्यमिता की रफ्तार को राज्य में बढ़ाने को लेकर करेकेबा के योगदान की काफी प्रशंसा की। दिव्यांशु ने इस अवसर पर अपने उद्यमिता के सफर का जिक्र करते हुए कहा कि वह भले ही शहर से बाहर रहने के लिए चले गए पर, बिहार की यादें हमेशा उनके अंदर बसी रहीं।

Dainik Bhaskar ! Page.NO-06
Dated:11-03-2022